कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (59) खण्ड - {117}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें..........

प्रश्न 1- किसी भी बात में संकल्प न चले, उसके लिए -

A- शरीर से न्यारा होने की ड्रिल करनी है।

B- ड्रामा को अच्छी रीति समझकर पार्ट बजाना है।

C- आत्मा समझ बाप को याद करो।

D- नथिंग न्यू की स्मृति में रहना है।

प्रश्न 2- रावण का क्या रूप है ?

A- माया

B- रूप नहीं है।

C- 5 विकार रूपी भूत

D- भ्रष्ट कर्म

प्रश्न 3- इसमें से रचना नहीं है -

A- सब देहधारी हैं।

B- चित्र

C- इन आंखों से जो भी देखा जाता है वह

D- आत्मा

प्रश्न 4- सही महावाक्य पहचानिए ?

A- संन्यासी मोक्ष को पाते हैं।

B- कोई ज्योति ज्योत समाते है, ब्रह्म में लीन होते है।

C- मोक्ष किसी को मिल नहीं सकता।

D- परमात्मा मोक्ष को प्राप्त कराते हैं।

प्रश्न 5- भक्ति का फल होता है ?

A- 21 जन्म के लिए

B- आधाकल्प के लिए

C- 63 जन्मों के लिए

D- 84 जन्मों के लिए

प्रश्न 6- तुम बच्चे उन्हें चावल मुट्ठी दे महल ले लेते हो, इसलिए उनका नाम -

A- शिवबाबा हमारा बेटा है

B- भोलानाथ

C- ज्ञान सागर

D- गरीब निवाज

प्रश्न 7- तुम भी पोतामेल रखो कि -

A- हम बाबा के पास रहकर, बाबा का बनके क्या करते हैं।

B- दैवीगुण धारण करते हैं।

C- कितना समय अति प्यारा बाबा, जो हमको विश्व का मालिक बनाते हैं, उनको याद किया।

D- आत्म अभिमानी स्थिति कितना समय रही।

प्रश्न 8- कब बाबा भी समझे कि इस बच्चे का बाबा के साथ लॅव है ?

A- बाबा जो कहे वह फौरन कर दिखायें तो।

B- बाबा हर एक के गुणों को देखते हैं तो।

C- यह सर्विसएब्ल कितिनी सर्विस करते हैं! तो।

D- हर कदम श्रीमत पर चलो तो

प्रश्न 9- बाबा ने देखा, बच्चे याद में नहीं रहते क्योंकि -

A- सबसे ममत्व निकाल जीते जी नहीं मरते।

B- शरीर से अलग होने का अभ्यास नहीं करते।

C- बहुत कमज़ोर हैं।

D- माया घड़ी घड़ी याद भुला देती है।

प्रश्न 10- बाप बच्चों को क्या सिखलाते हैं ?

A- जीते जी मरना कैसे होता है।

B- पवित्र बनना

C- आत्म-अभिमानी बनना

D- मनमनाभव

प्रश्न 11 - बेहद का बाप कौन सी वन्डरफुल पढ़ाई हमे पढ़ाते हैं ?

A- देह-अभिमान छोड़ अपने को आत्मा समझाना

B- सृष्टि के आदि मध्य अन्त का ज्ञान

C- ड्रामा के आदि -मध्य-अन्त का राज़

D- पावन बनाने के लिए याद की यात्रा की

प्रश्न 12- कौन सा पक्का निश्चय बच्चों को होना चाहिए ?

A- यह हमारा मोस्ट बिलेवेड जन्म है।

B- बाप और उनकी पढ़ाई में

C- आत्मा को यह ज्ञान मिलता है, हमारा यह बाबा है।

D- वह हमारा बाबा है, हम आत्मा हैं।

प्रश्न 13- नम्बरवन यादगार है-

A- देलवाड़ा मन्दिर

B- गुरू शिखर

C- अचलघर

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 14- ओम् का अर्थ है -

A- अहम् आत्मा, मम शरीर।

B- मैं आत्मा शान्त स्वरूप हूँ।

C- मेरी आत्मा का धर्म शान्त स्वरूप है।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 15- पास विद आनर कितने बनते हैं ?

A- 108

B- 16108

C- 8

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 16 - ऊंची पढ़ाई क्या है ?

A- देह-अभिमान छोड़ अपने को आत्मा समझना।

B- बाप और उनकी पढ़ाई में कोई भी संशय नहीं आना चाहिए।

C- निश्चय चाहिए कि हमें पढ़ाने वाला बाप है।

D- रचता और रचना को जान आस्तिक बनना।

भाग (59) खण्ड {117} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *B.ड्रामा को अच्छी रीति समझ कर पार्ट बजाना है*

सदा खुशी में रहने के लिए रचता और रचना की नॉलेज बुद्धि में चक्कर लगाती रहे अर्थात् उसका ही सिमरण होता रहे। *किसी भी बात में संकल्प न चले, उसके लिए ड्रामा को अच्छी रीति समझकर पार्ट बजाना है।*

उत्तर 2- *C.5 विकार रूपी भूत*

कोई बाप की मत पर चलते हैं, कोई रावण की मत पर। रावण क्या चीज़ है? कभी देखा है क्या? सिर्फ चित्र देखते हो। शिवबाबा का तो फिर यह रूप है। रावण का क्या रूप है! *5 विकार रूपी भूत जब आकर प्रवेश करते हैं तब रावण कहा जाता है।*

उत्तर 3- *D.आत्मा*

रचयिता ही रचना के आदि-मध्य-अन्त का ज्ञान देते हैं। *जो देहधारी हैं, वह सब भक्ति करते हैं क्योंकि रचना है ना। * रचयिता है एक बाप। *बाकी इन आंखों से जो भी देखा जाता है, चित्र आदि, वह सब हैं रचना।* यह बातें घड़ी-घड़ी भूल जाती हैं।

उत्तर 4- *मोक्ष किसी को मिल नही सकता*

संन्यासी कहते हैं यह सुख काग विष्टा के समान है, इसलिये घरबार छोड़ जंगल में चले जाते हैं। कहते हैं हमको स्वर्ग के सुख नहीं चाहिए, जो फिर नर्क में आना पड़े। हमको मोक्ष चाहिए। परन्तु यह याद रखो कि यह बना-बनाया नाटक है, *इस नाटक से एक भी आत्मा छूट नहीं सकती, मोक्ष किसी को मिल नहीं सकता ।*

उत्तर 5- *B.आधाकल्प के लिए*

तुम जानते हो जो जैसा कर्म करते हैं उनको ऐसा फल मिलता है। जैसे कोई हॉस्पिटल बनाते हैं तो दूसरे जन्म में उनकी आयु बड़ी और तन्दुरूस्त होंगे। कोई धर्मशाला, स्कूल बनाते हैं तो उनको आधाकल्प का सुख मिलता है। अब बाप कहते हैं यह भक्ति के जो शास्त्र हैं उनका सार समझाता हूँ। *भक्ति का फल होता है आधाकल्प का।*

उत्तर 6- *B.भोलानाथ*

तुम बच्चे उन्हें चावल मुट्ठी दे महल ले लेते हो, इसलिए ही बाप को भोलानाथ कहा जाता है। भक्ति में कहते हैं जो जैसा कर्म करता है वैसा फल पाता है। परन्तु भक्ति में तो अल्पकाल का मिलता। ज्ञान में समझ से करते इसलिये सदाकाल का मिलता है।

उत्तर 7- *C.कितना समय अति प्यारा बाबा,जो हमको विश्व का मालिक बनाते हैं,उनको याद किया*

व्यापारी लोग रोज़ अपना पोता-मेल फायदे-घाटे का निकालते हैं। *तुम भी पोतामेल रखो कि कितना समय अति

प्यारा बाबा, जो हमको विश्व का मालिक बनाते हैं, उनको याद किया?* देखेंगे, कम याद किया तो आपेही लज्जा आयेगी कि यह क्या ऐसे बाबा को हमने याद नहीं किया।

उत्तर 8- *A.बाबा जौ कहे वह फौरन कर दिखायें तो*

बाप के साथ लॅव कितना अच्छा चाहिए। *बाबा जो कहे वह फौरन कर दिखायें तो बाबा भी समझे कि बाबा के साथ लॅव है।* उनको कशिश होगी। बाप में कशिश ऐसी है जो एकदम चटक जायें। परन्तु जब तक कट (जंक) निकली नहीं है तो कशिश भी नहीं होगी। एक-एक को देखता हूँ।

उत्तर 9- *C.बहुत कमजोर हैं*

बाबा ने देखा, बच्चे याद में नहीं रहते हैं, बहुत कमज़ोर हैं इसलिए सर्विस भी नहीं बढ़ती है। घड़ी-घड़ी लिखते हैं - बाबा, याद भूल जाती है, बुद्धि लगती नहीं है। बाबा कहते हैं योग अक्षर छोड़ दो। विश्व की बादशाही देने वाले बाप को तुम भूल जाते हो!

उत्तर 10- *A.जीते जी मरना कैसे होता है*

मीठे-मीठे रूहानी बच्चे हैं तो जिस्म के साथ। बाप भी अभी जिस्म के साथ हैं। इस घोड़े वा गाड़ी पर सवार हैं और *बच्चों को क्या सिखलाते हैं? जीते जी मरना कैसे होता है* और कोई यह सिखला न सके सिवाए बाप के।

उत्तर 11- *C.ड्रामा के आदि-मध्य-अन्त का राज*

बच्चे समझते हैं कि यह पढ़ाई वन्डरफुल है। ड्रामा के आदि-मध्य-अन्त का राज़ बाप के सिवाए कोई बता न सके, इसलिए उनको बेहद का बाप कहा जाता है। यह निश्चय तो बच्चों को जरूर बैठता है, इसमें संशय की बात उठ न सके। इतनी बेहद की पढ़ाई, बेहद के बाप के सिवाए तो कोई पढ़ा न सके।

उत्तर 12- *C.आत्मा को यह ज्ञान मिलता है,यह हमारा बाबा है*

पहले तो यह निश्चय बुद्धि चाहिए। निश्चय भी आत्मा को बुद्धि में होता है। *आत्मा को यह ज्ञान मिलता है, हमारा यह बाबा है। यह बहुत पक्का निश्चय बच्चों को होना चाहिए।* मुख से कहना कुछ भी नहीं है। हम आत्मा एक शरीर छोड़ दूसरा लेती हैं। आत्मा में ही सब संस्कार हैं।

उत्तर 13- D.उपरोक्त सभी

हम ऐसे स्थान पर आकर बैठे हैं, जहाँ तुम्हारा यादगार भी खड़ा है। जहाँ 5 हज़ार वर्ष पहले भी सर्विस की थी। *देलवाड़ा मन्दिर, अचलघर, गुरू शिखर हैं।* , जिसका यादगार बनाया हुआ है। यह है वन्डरफुल तुम्हारा जड़ यादगार। वहाँ ही तुम चैतन्य में आकर बैठे हो। यह सब है रूहानी कारोबार, *जो कल्प पहले चली थी। उनका पूरा यादगार यहाँ है। नम्बरवन यादगार है।*

उत्तर 14- *A.अहम् आत्मा,मम शरीर*

इस समय तुमको सभी मंत्रों का अर्थ समझाया है। ओम् का अर्थ समझाया है। ओम् का अर्थ कोई लम्बा नहीं है।

ओम् का अर्थ है अहम् आत्मा, मम शरीर। अज्ञान काल में भी तुम देह-अभिमान में रहते हो तो अपने को शरीर समझते हो।

उत्तर 15- *C. 8*

कोई-कोई बच्चे पीछे आये हैं, श्रीमत पर चलते रहते हैं। ऐसे ही श्रीमत पर चलते रहें तो पास विद् ऑनर्स बन 8 की माला में आ सकते हैं। *8 की माला जो बनी हुई है वह है पास विद् ऑनर्स की। 8 दाने ही नम्बरवन में जाते हैं,* जिनको ज़रा भी सज़ा नहीं मिलती है। कर्मातीत अवस्था को पा लेते हैं। फिर हैं 108, नम्बरवार तो कहेंगे ना।

उत्तर 16- *A.देह-अभिमान छोड़ अपने को आत्मा समझना*

देह-अभिमान छोड़ अपने को आत्मा समझना - यह है ऊंची पढ़ाई। उस पढ़ाई में भी जो सबजेक्ट डिफीकल्ट होती

है, उसमें फेल होते हैं। यह सब्जेक्ट तो बहुत सहज है, परन्तु कइयों को डिफीकल्ट फील होती है।

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (59) खण्ड - {118}

प्रश्न 1- मांगने के बजाए क्या करना है ?

A- मांगने से मरना भला।

B- डायरेक्शन देते उस पर चलो।

C- लायक बनना है।

D- बाप तो सिर्फ दो अक्षर ही कहते हैं मामेकम् याद करो।

प्रश्न 2- पवित्रता का अर्थ है ?

A- डबल अहिंसक हो।

B- सदा बाप को कम्पैनियन बनाना और बाप की कम्पन्नी में ही रहना।

C- स्वप्न में भी ब्रह्मचर्य की धारणा हो।

D- संकल्प में भी अशुद्ध ख्याल न आये।

प्रश्न 3- गुस्सा करना है -

A- विकार

B- माया

C- हिंसा

D- भूत की प्रवेशता

प्रश्न 4- बाप का सबसे श्रेष्ठ डायरेक्शन -

A- मामेकम् याद करो

B- मांगने से मरना भला

C- बाप है दाता

D- फालो फादर

प्रश्न 5- बुद्धि को किस का सहारा हो ?

A- एक बाप हो, दूसरा न कोई

B- संगठन का

C- निश्चय बुद्धि का

D- एक की ही श्रेष्ठ मत का

प्रश्न 6- बाप ने समझाया है - तुम सब द्रोपदियां हो। फीमेल सदैव फीमेल ही बनती है। इसके बारे में सही पर्याय का चुनाव कीजिए ?

A- मेल फीमेल दोनों ही बनते हैं।

B- दो बारी फीमेल बन सकती है, जास्ती नहीं।

C- कह नहीं सकते।

D- इनमें से कोई नहीं।

प्रश्न 7- अक के फूल किसे कहेंगे ?

A- 10-15 वर्ष रहकर भी चले जाते हैं उनको।

B- जिनको अपने मित्र-सम्बन्धी, धन-दौलत याद आते रहेंगे वह।

C- अपवित्र बनते हैं वह।

D- उनमें कोई खुशबू नहीं।

प्रश्न 8- कौन-सा ईश्वरीय नियम है जो गरीब ही बाप का पूरा वर्सा लेते, साहूकार नहीं ले पाते ?

A- धन, दौलत, मित्र, सम्बन्धी याद नहीं करना।

B- पूरा बेगर बनो, जो कुछ भी है उसे भूल जाओ।

C- आत्मा समझ बाप को याद करो।

D- बाप है गरीब निवाज उसे याद करो।

प्रश्न 9- "यह कभी किसको उल्टा-सुल्टा शब्द नहीं कहते"। यह किस के लिए कहा है ?

A- शिवबाबा

B- बापदादा

C- ब्रम्हाबाबा

D- ब्राह्मण बच्चे

प्रश्न 10- सत का संग होता है -

A- पुरूषोत्तम संगमयुग पर

B- सतयुग में

C- भक्ति मार्ग में

D- सतयुग त्रेता में

प्रश्न 11- अकाल-तख्त कहते हैं -

A- आत्मा

B- भृकुटी सिंहासन

C- आत्मा को कभी काल नहीं खाता

D- आत्मा परमात्मा के तख्त को

प्रश्न 12- सबसे ऊंचा स्वागत है, कौन सा है ?

A- बाप तुम्हारा स्वागत करते हैं वह

B- ब्राह्मण बनना

C- जीवनमुक्ति

D- भगवान की पालना

प्रश्न 13- किस में रचता और रचना की नॉलेज है ?

A- ब्राह्मणों में

B- लक्ष्मी-नारायण में

C- देवताओं में

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 14- निर्विकल्प भाव से संकल्प लो तो क्या नहीं आयेगा ?

A- व्यर्थ संकल्प

B- कोई संकल्प

C- अभिमान या अपमान की फीलिंग

D- कलियुगी मित्र सम्बन्धियों के बारे में विकारी संकल्प

प्रश्न 15- बाबा कर्म, अकर्म, विकर्म की गति भी समझाते हैं। सतयुग में कौनसे कर्म होते हैं ?

A- अकर्म,

B- कर्म

C- सुकर्म

D- श्रेष्ठ कर्म

प्रश्न 16- आस्तिक कौन कौन हैं ?

A- रचता और रचना को जानने वाले

B- निवृत्ति मार्ग वाले,

C- ऋषि-मुनि

D- उपरोक्त सभी

भाग (59) खण्ड {118} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *D.बाप तो सिर्फ दो अक्षर ही कहते हैं मामेकम् याद करो*

भक्ति मार्ग में मांग-मांग कर माथा पटक सारी सीढ़ी नीचे उतरते आये हो। अभी मांगने की कोई दरकार नहीं। एक तो कहते हैं बीती को कभी चितवो नहीं। ड्रामा में जो कुछ हुआ पास्ट हो गया। उनका विचार नहीं करो। रिपीट न करो। *बाप तो सिर्फ दो अक्षर ही कहते हैं मामेकम् याद करो।*

उत्तर 2- *B.सदा बाप को कम्पेनियन बनाना और बाप की कम्पन्नी में रहना*

पवित्रता का अर्थ है - सदा बाप को कम्पैनियन बनाना और बाप की कम्पन्नी में ही रहना। संगठन की कम्पन्नी,

परिवार के स्नेह की मर्यादा अलग चीज़ है, लेकिन बाप के कारण ही यह संगठन के स्नेह की कम्पन्नी है, बाप नहीं होता तो परिवार कहाँ से आता। बाप बीज है, बीज को कभी नहीं भूलना।

उत्तर 3- *C.हिंसा*

यह तो समझते हो - यह जंगल है, सब एक-दो को दु:ख देते रहते हैं। तुम जानते हो अहिंसा परमो देवी-देवता धर्म गाया हुआ है। वहाँ कोई मारपीट होती नहीं। *गुस्सा करना भी हिंसा है* फिर सेमी हिंसा कहो, कुछ भी कहो। यहाँ तो बिल्कुल अहिंसक बनना है।

उत्तर 4- *A.मामेकम् याद करो*

बाप डायरेक्शन अथवा श्रीमत देते हैं। उस पर चलना बच्चों का काम है। *बाप का सबसे श्रेष्ठ डायरेक्शन है मामेकम् याद करो।* कोई कितने भी प्रश्न-उत्तर आदि करेंगे, बाबा तो दो अक्षर ही समझायेंगे। मैं हूँ पतित-पावन। तुम मुझे याद करते रहो तो तुम्हारे पाप भस्म हो जायेंगे।

उत्तर 5- *A.एक बाप हो, दूसरा न कोई*

कर्मयोगी बनना है, कर्म संन्यासी नहीं। संगठन में रहो, सबके स्नेही बनो *लेकिन बुद्धि का सहारा एक बाप हो, दूसरा न कोई।* बुद्धि को कोई आत्मा का साथ, गुण वा कोई विशेषता आकर्षित न करे तब कहेंगे कर्मयोगी पवित्र अत्मा।

उत्तर 6- *B.दो बारी फीमेल बन सकती है, जास्ती नहीं*

जो गायन है द्रोपदी का, वह सब प्रैक्टिकल में हो रहा है। द्रोपदी ने क्यों पुकारा? यह मनुष्य नहीं जानते। बाप ने समझाया है - तुम सब द्रोपदियां हो। ऐसे नहीं, फीमेल सदैव फीमेल ही बनती है। *दो बारी फीमेल बन सकती है, जास्ती नहीं।*

उत्तर 7- *A. 10-15 वर्ष रहकर भी चले जाते हैं उनको*

सच्चे योगी ही अन्त तक रहेंगे, जिन्हों को बाप देख खुश होंगे। फूलों का ही बगीचा बनता है। *बहुत तो 10-15

वर्ष रहकर भी चले जाते हैं। उनको कहेंगे अक के फूल।* बड़ी अच्छी-अच्छी बच्चियां जो मम्मा-बाबा के लिए भी डायरेक्शन ले आती थी, ड्रिल कराती थी, वे आज हैं नहीं।

उत्तर 8- *B.पूरा बेगर बनो, जो कुछ भी है उसे भूल जाओ*

ईश्वरीय नियम है - पूरा बेगर बनो, जो कुछ भी है उसे भूल जाओ। तो गरीब बच्चे सहज ही भूल जाते हैं परन्तु साहूकार जो अपने को स्वर्ग में समझते हैं उनकी बुद्धि में कुछ भूलता नहीं इसलिए जिनको धन, दौलत, मित्र, सम्बन्धी याद रहते वह सच्चे योगी बन ही नहीं सकते हैं। उन्हें स्वर्ग में ऊंच पद नहीं मिल सकता।

उत्तर 9- *C.ब्रह्माबाबा*

किसको तंग नहीं करना, दु:ख नहीं देना। यह कभी (ब्रह्मा बाबू) किसको उल्टा-सुल्टा शब्द नहीं कहते। जानते हैं जैसा कर्म मैं करूँगा, मुझे देख और भी करेंगे।

उत्तर 10- A.पुरूषोत्तम संगमयुग पर

सत का संग मिलता ही है पुरूषोत्तम संगमयुग पर। वह गुरू लोग तो संगमयुगी हैं नहीं। बाबा जब आते हैं तो बेटा-बेटा कह बुलाते हैं। उन गुरू लोगों को तुम बाबा थोड़ेही कहेंगे। एकदम बुद्धि को गॉडरेज का ताला लगा हुआ है। बाबा आकर ताला खोलते हैं।

उत्तर 11- *B.भूकुटी सिंहासन*

आत्मा को भी तुम जान गये हो। *आत्मा के लिए कहते हैं भ्रकुटी के बीच चमकता है अजब सितारा....। वह अकाल-तख्त भी है।* आत्मा को कभी काल नहीं खाता। वह सिर्फ मैली और साफ होती है, आत्मा का तख्त शोभता भी भ्रकुटी के बीच है। तिलक की निशानी भी यहाँ देते हैं।

उत्तर 12- *C.जीवनमुक्ति*

नम्बरवार पुरूषार्थ अनुसार बाप भी तुम्हारा स्वागत करते हैं। तुम बच्चे जो स्वागत करते हो, उनसे जास्ती बाप

तुम्हारा स्वागत करते हैं। *बाप का धन्धा ही है - तुम्हारा स्वागत करना। स्वागत माना सद्गति (जीवन-मुक्ति)।* यह सबसे ऊंचा स्वागत है। तुम सबका स्वागत करने बाप आते हैं।

उत्तर 13- *A.ब्राह्मणों में*

रचता और रचना को तुम ब्राह्मणों ने बाप द्वारा जाना है। ऋषि-मुनि सब नेती-नेती कहते थे, हम नहीं जानते।

उत्तर 14- *A.व्यर्थ संकल्प*

सेवा में सफलता का आधार आपकी नि:स्वार्थ और निर्विकल्प स्थिति है। इस स्थिति में रहने वाले सेवा करते स्वयं भी सन्तुष्ट और हर्षित रहते और उनसे दूसरे भी सन्तुष्ट रहते।*नि:स्वार्थ और निर्विकल्प भाव से निर्णय लो तो किसी को भी व्यर्थ संकल्प नहीं आयेगा और सफलता मूर्त बन जायेंगे।*

उत्तर 15- *A.अकर्म*

बाबा कर्म, अकर्म, विकर्म की गति भी समझाते हैं। ब्रह्मा का दिन और रात गाई हुई है। ब्रह्मा का दिन-रात सो ब्राह्मणों का। अब तुम्हारा दिन होने वाला है। *सतयुग में देवताओं से अकर्म होते हैं।* महाशिवरात्रि कहते हैं। अब भक्ति की रात पूरी हो ज्ञान का उदय होता है। अब है संगम।

उत्तर 16- *A.रचता और रचना को जानने वाले*

अब तुम आस्तिक बने हो। रचता और रचना को तुमने बाप द्वारा जाना है। ऋषि-मुनि सब नेती-नेती कहते थे, हम नहीं जानते।